वर्ष-2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
राजनीति विज्ञान	1	3	0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

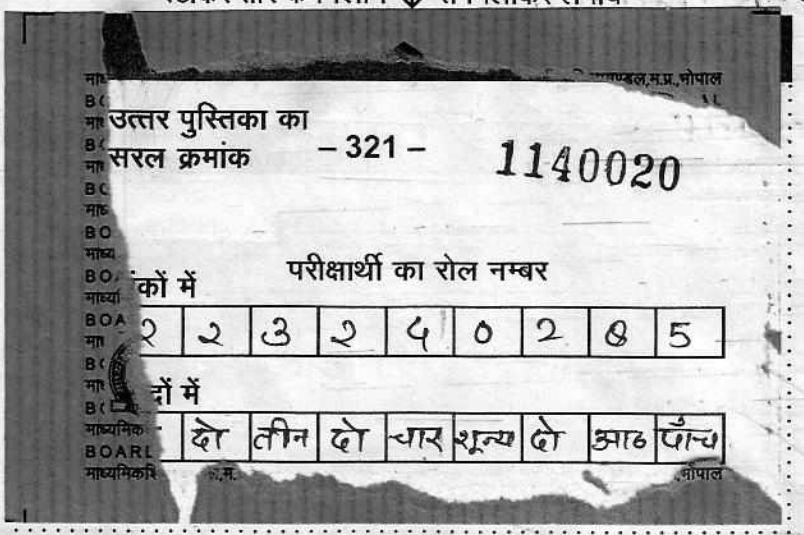

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 – 1140020

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	3	2	4	0	2	8	5

शब्दों में

दो	दो	तीन	दो	चार	शून्य	दो	आठ	पाँच

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ									
	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में 01 शब्दों में एक

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 202

ग – परीक्षा की दिनांक 25 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा केन्द्र क्रमांक .322017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
PREETI PATEL Preeti 25-02-2022	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
D. SAMUEL V. No.14485	R. Suryawanshi V. No.3936

नोट :– ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

विशेष नोट : – सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 01

सही विकल्प चुनिए -

I. 1962 1.

II. 1992 1.

III. 24 अक्टूबर 1945 1.

IV. (अ) ~~1992~~ 1968 1.

V. 1992 1.

VI. 1953 1.

MPBSE

प्रश्न क्र.

पृष्ठ 3 के अंक

उत्तर क्रमांक - 02

रिक्त स्थान भरिए -

I. चीन ।

II. नेपाल (काठमाण्डू) ।

III. सन् 1990 ।

IV. 565

V. सी. राजगोपालाचारी ।

VI. 1 जनवरी 2015 ।

VII. सन् 1955 में इण्डोनेशिया में ।

MPBSE

[ ] + [ ] = [ ]

यो… पृ… …क अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 03

सही जोडी मिलाइए -

अ . ब .

I. सीमित परमाणु परीक्षण संधि - 1963

II. सोवियत संघ का विघटन - 1991

III. चीन द्वारा भारत पर आक्रमण - 1962

IV. आपात काल - 1975

V. भारतीय किसान यूनियन - B. K. U.

VI. छात्र संगठन - AASU

MPBSE
M
P
E

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 04

एक वाक्य में उत्तर दीजिए -

i. लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिलईलम)

ii. सैनिक सुरक्षा ।

iii. आन्ध्रप्रदेश ।

iv. लाल बहादुर शास्त्री ।

v. हजार चौरासी की माँ ।

vi. बिन्देश्वरी प्रसाद मण्डल ।

vii. सी. राजगोपालाचारी ।

MPBS

योग पूर्व पृ + पृष्ठ 6 के अंक =

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 05

सत्य/ असत्य -

i. सत्य

ii. असत्य

iii. सत्य

iv. सत्य

v. सत्य

vi. असत्य

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक -06 (अथवा)

तटस्थता - तटस्थता का अर्थ होता है स्वयं को विश्व राजनीति से तटस्थ या अलग कर लेना। तटस्थता का अर्थ गुटनिरपेक्षता नहीं होता है। गुटनिरपेक्षता का अर्थ होता है विश्व राजनीति में सक्रिय होते हुए किसी भी गुट या खेमे में शामिल न होना। जब कोई राष्ट्र स्वयं को विश्व राजनीति से अलग कर लेता है तो उसे तटस्थता की संज्ञा दी जाती है।

उत्तर क्रमांक -07

द्वि ध्रुवीयता : द्वि ध्रुवीयता का अर्थ होता है विश्व राजनीति में शक्ति के दो खेमे या दो ध्रुव बन जाना।
द्वि ध्रुवीयता में दो प्रमुख महाशक्तियाँ दो प्रमुख कर्ता होती हैं। इन दोनो की क्षमता लगभग एक जैसी होती है। ये उतनी शक्तिशाली होती है कि अन्य कोई राष्ट्र इनका मुकाबला नहीं कर सकता। ये दोनो महाशक्तियाँ एक-दूसरे को अपना विरोधी मानती हैं।

+ = 8

पृष्ठ 8 के अं.

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 08

वर्चस्व - वर्चस्व का अर्थ होता है किसी समूह, राष्ट्र के ऊपर अपना प्रभुत्व या वर्चस्व कायम करना। इसकी जड़े प्राचीन यूनान से जुड़ी है। इससे किसी राष्ट्र के प्रभुत्व का बोध होता है। प्राचीन यूनान में अन्य राज्यो की तुलना में एथेंस की प्रबलता को चिन्हित करने के लिए वर्चस्व (हेगेमनी) शब्द का प्रयोग होता था। आज वर्चस्व शब्द का प्रयोग अमेरिका के लिए किया जाता है।

M P B S E

उत्तर क्रमांक - 09

सार्क - सार्क का पूरा नाम दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन है। इसकी स्थापना सन् 1985 में की गई।

मुख्यालय - नेपाल (काठमाण्डू)

सदस्य - इसके सदस्यो की संख्या 8 है।

नाम - i) भारत
ii) पाकिस्तान
iii) नेपाल

प्रश्न क्र.

IV) भूटान
V) श्री लंका
VI) बांग्लादेश
VII) मालदीव
VIII) अफगानिस्तान

अफगानिस्तान सन् 2007 में इसका सदस्य बना।

उत्तर क्रमांक - 20

जो महामारियाँ प्रवास व्यवसाय और पर्यटन के माध्यम से तेजी से फैलती है उनके नाम निम्नलिखित है -

1. बर्ड फ्लू - दक्षिण एशिया के क्षेत्र में इसका प्रकोप देखा जा सकता है।

II. मैडकाऊ बीमारी - मैडकाऊ बीमारी का प्रभाव ब्रिटेन में रहा है। यह एक घातक बीमारी है।

III. कोरोना वायरस - कोरोना वायरस भी एक संक्रामक बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है।

MPBSE

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

इस तरह के अन्य बीमारिया जैसे इबोला वायरस, हैपेटाइटिस बी आदि अप्रवास व्यवसाय और पर्यटन के माध्यम से फैलती है। क्योंकि ये संक्रामक बीमारिया है जो एक - दूसरे के निकट सम्पर्क के माध्यम से फैलती है।

उत्तर क्रमांक - 11

वैश्वीकरण - वैश्वीकरण का आशय है विचार, पूंजी, वस्तुओ एवं सेवाओ का स्वतन्त्र प्रवाह। यानि बेरोक टोक एक देश से दूसरे देश में पहुंचना।

रोलैण्ड राबर्टसन के अनुसार -

वैश्वीकरण का अर्थ है विश्व का सिकुड़ना, समग्रता में विश्व की चेतना का तीव्र होना।

वैश्वीकरण का प्रभाव आज विश्व के समस्त देशो मे है वैश्वीकरण से कोई भी देश अछूता नही है।

वैश्वीकरण में सम्पूर्ण विश्व एक ग्राम में परिवर्तित हो जाता है।

M P B S E

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 12

1952 के प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस 364 सीटे प्राप्त हुयी। कांग्रेस को कुल मतों का 50% से भी कम कम मत प्राप्त हुआ लेकिन लेकिन लोकसभा मे इसे 75% सीटे प्राप्त हुयी। यह स्वतन्त्र भारत का प्रथम आम चुनाव था जिसमे कांग्रेस को बहुमत प्राप्त हुआ और पण्डित नेहरु के नेतृत्व मे सरकार बनाने का मौका मिला। 1952 के चुनाव मे पार्टी को विरोधी दल का रूप में बने रहने लायक मत नही प्राप्त हुए। कम्युनिस्ट पार्टी को 16 सीटे प्राप्त हुयी और वह ही कांग्रेस के बाद दूसरी पार्टी कहलायी।

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 13 (अथवा)

दल बदल - दल बदल का अर्थ है एक दल या पार्टी को छोड़कर दूसरे दल की मान्यता ग्रहण करना।

दल बदल सन् 1967 के बाद राजनीति में आया। दल बदल को आया राम और गया राम की संज्ञा भी दी जाती है। दल - बदल आज राजनीति या लोकतन्त्र के समक्ष एक गंभीर चुनौती है।

भारत सरकार ने दल बदल पर रोक लगाने हेतु सन् 1985 में 52वाँ संविधान संशोधन किया। जो दल - बदल को कम करने या खत्म करने के किया गया संशोधन महत्वपूर्ण संशोधन है।

उत्तर क्रमांक - 14 (अथवा)

N.F.F. (एन. एफ. एफ.) - N.F.F. का पूरा नाम नेशनल फिशवर्कर्स फोरम है। भारत मछुआरों की संख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान रखता है।

सन् 1970 में जब आर्थिक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

सुधार शुरु किए गए तो मछुआरो ने अपना एक स्थानीय संगठन बना लिया जिसे N. F. F. या नेशनल फिशवर्कर्स फोरम का नाम दिया गया। सरकार द्वारा शुरु की गई मशीनीकृत मत्स्य आखेट से इन मछुआरो की आजीविका का समक्ष एक खतरा उत्पन्न हो गया है।

उत्तर क्रमांक - 15 (अथवा)

भारत के उत्तर पूर्व में स्थित सात राज्यो को सात बहने कहा जाता है जिनके नाम निम्नलिखित है —

I. मणिपुर II. मेघालय
III. त्रिपुरा IV. मिजोरम
V. नागालैण्ड VI. सिक्किम
VII. अरुणाचंल प्रदेश।

इन राज्यो को 22 किमी लम्बा गलियारा भारत से जोडता है। इन्हें उत्तर पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। इनकी सीमाएँ नेपाल, बांग्लादेश, तिब्बत से मिलती है। ये भारत की सुरक्षा की दृष्टि से भी

MPBSE

बहुत महत्वपूर्ण है। ये क्षेत्र भारत की राजधानी एवं उत्तर भारत से दूर है जिसके कारण यहाँ विकास की किरणे देर से पहुँचती है। यहाँ साक्षरता दर उच्च स्तर पर है।

उत्तर क्रमांक - 16 (अथवा)

शॉक थेरेपी के 3 परिणाम -

सोवियत संघ द्वारा सन् 1990 में शॉक थेरेपी अपनायी गई। जिसके निम्न लिखित परिणाम हुए -

I. रूस सहित सभी गणराज्यो की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई। राज्य नियन्त्रित सभी उद्योग धराशायी हो गए। 90% उद्योगो को आधे से भी कम दामो में बाजार शक्तियो को बेच दिया गया।

II. रूसी मुद्रा रूबल का तेजी से अवमूल्यन हुआ। मुद्रा स्फीति में तेजी आयी, सामूहिक कृषि की व्यवस्था बन्द हो गई जिससे खाद्यान्न की कमी उत्पन्न हो गयी।

प्रश्न क्र.

III. 1500 बैंक एवं वित्तीय संस्थान दिवालिया घोषित कर दिए गए।

IV. उत्तर साम्यवादी राज्यों में अभी उत्तरदायी सरकार एक सपना थी।

उत्तर क्रमांक- 17

आसियान विजन 2020 के उद्देश्य-

1. आसियान एक तेजी से ऊपर उठता हुआ एक क्षेत्रीय संगठन है।

इसके विजन 2020 में आसियान की बहुमुखी भूमिका को प्रमुखता दी गई है।

इसके विजन 2020 में यह भी कहा गया है कि आसियान अब टकराहट की जगह बातचीत को बढ़ावा देगा।

आसियान के विजन 2020 मे इसके विकास हेतु एक आसियान आर्थिक

प्रश्न क्र.

समुदाय, आसियान सुरक्षा समुदाय तथा आसियान सामाजिक-सांस्कृ-तिक समुदाय की स्थापना की जाएगी।

उत्तर क्रमांक - 18

हरित क्रान्ति - हरित क्रान्ति से आशय कृषि उत्पादन में हुयी उस तीव्र वृद्धि से जो अधिक उत्पादन देने वाले बीजों, तकनीकि के प्रयोग से है। हरित क्रान्ति में हल की जगह ट्रैक्टर का प्रयोग पर बल दिया गया। सिंचाई के तालाबो, नहरो नलकूपो को प्रमुखता दी गई है क्योंकि वर्षा पर निर्भर रहना सूखे को आमन्त्रित करना है। मैक्सिको एवं फिलीपीन्स में विकसित हाइब्रिड अर्थात् उच्च किस्म बीजो के प्रयोग पर बल दिया गया। हरित क्रान्ति के परिणामस्वरूप महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तरप्रदेश में गेहूं और चावल के उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुयी है।

प्रश्न क्र.

हरित क्रान्ति की शुरुआत अमेरिका के रॉकफेलर फाउंडेसन से हुयी। नारमन ई बोरलॉग को हरित क्रान्ति का जन्मदाता माना जाता है। भारत में हरित क्रान्ति का जन्मदाता स्वामीनाथन को माना जाता है।

परिणाम- I. कृषि एक लाभकारी व्यवसाय हो गई जिससे नव धनाढ्यो ने इसमे हाथ डालना शुरु कर दिया जिससे छोटे कृषको को हानि पहुँची।

II. नव धनाढ्यो ने अपने संगठन बनाकर सरकार पर दबाव डालकर अपने पक्ष मे अनेक नीतियो का निर्माण करवा लिया।

III. हरित क्रान्ति से मशीनीकरण को बढावा मिला जिससे देश में बेरोजगारी का स्तर बढ गया।

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 19

नक्सलवादी आन्दोलन -

नक्सलवादी की शुरुआत पश्चिम बंगाल के के दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी पुलिस थाने से हुई। यह आंदोलन नक्सलबाड़ी पुलिस थाने से शुरु होकर शीघ्र ही आस - पास के इलाको में फैल गया। इसका नेतृत्व स्थानीय कॉडर के लोग ही कर रहे थे। यह आन्दोलन किसानो द्वारा किया गया। इसके नेता चारुमजुमदार थे। जिन्होंने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी थी। नक्सवादी आन्दोलन को इस पार्टी का समर्थन प्राप्त था। यह पार्टी चीन के मार्क्सवादी पार्टी से मेलजोल रखती थी। नक्सलवादी आन्दोलनकारियो ने बड़े जमीदारो, व्यापारियो की जमीने छीनकर छोटे कृषको किया। ये पार्टी अपने उद्देश्यो को प्राप्ति के लिए

MPBSE

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

हिंसक रास्ते अपनाने की पक्ष-
धर है। नक्सलवादी आन्दोलन
सरकार के विरुद्ध चलाया
गया। नक्सलवाद की पृष्ठ-
-भूमि पर अनेक फिल्मे भी
बनायी गई हैं जैसे हजार
चौरासी की माँ। यह फिल्म
महाश्वेता देवी के एक प्रसिद्ध
उपन्यास पर बनी है।
आज भारत के 9
राज्यो के 76 जिले नक्सल
वाद से पीड़ित हैं। ये
जिले बहुत पिछड़े हुए हैं।
आज सरकार भी नक्सलवाद
के प्रति चैतन्य है।

उत्तर क्रमांक - 20

महाशक्तियाँ अपने छोटे देशो
के साथ सैन्य गठबन्धन निम्न
कारणो से रखती है -

1) सेना के रख-रखाव के लिए-

महाशक्तियाँ अपने सेना के रख-
रखाव के लिए महाशक्तियों
से गठबन्धन रखती है। महाशक्ति-
-याँ छोटे देशो से अपने सेना
के लिए अनेक सुविधाएं प्राप्त

M
S
E
MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

करती है।

II. खनिज पदार्थो एवं कच्चे माल की प्राप्ति के लिए -

महाशक्तियां अपने छोटे देशो से अपने उद्योगो के लिए खनिज पदार्थो जैसे - कोयला, लोहा और कच्चे माल की प्राप्ति के लिए गठबन्धन रखती है। दक्षिण एवं मध्य एशिया के छोटे मे खनिजो के विशाल भण्डार है। यहाँ कच्चा माल भी पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध है इसलिए महाशक्तियाँ इन राष्ट्रो से सम्बन्ध रखी हुयी है।

III. जासूसी के लिए - महाशक्तियाँ अपने छोटे राष्ट्रो की जासूसी करने के लिए भी सैनिक गठबन्धन रखती है ताकि उन पर नजर रखी जा सके कि वह क्या कर रहे, किन हथियारो का निर्माण कर रहें है।

M
P
B
S
E

MPBS

प्रश्न क्र.

iv. प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण के लिए - महाशक्तियाँ अपने छोटे राष्ट्रो से सैन्य गठबन्धन प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण के उद्देश्य से भी रखती है। अगर छोटे राष्ट्र कोई नयी खोज करते है तो बडी महाशक्तियाँ उनसे प्रौद्योगिकी का क्रय कर लेती है और अपने हित साधन में प्रयोग करती है।

v. सुरक्षा उद्देश्य - महाशक्तियाँ अपने छोटे राष्ट्रो से सैन्य गठबन्धन सुरक्षा के उद्देश्य भी रखती है। वह छोटे राष्ट्र पर नजर रखती कि वह किस पर आक्रमण करने वाला है कही वह आतंकवाद का साथ तो नही दे रहा है कही वह किसी राष्ट्र पर परमाणु हमला तो नही करने वाला है। इन सुरक्षा उद्देश्यो से भी महाशक्तियाँ छोटे राष्ट्रो से सैन्य गठबन्धन रखती है।

प्रश्न क्र.

[ ] + [ ] = [ ]

कुल

M P B S E

उत्तर क्रमांक - 21

संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य -

1. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा को बढ़वा देना -

संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्य उद्देश्य है शान्ति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देना। संयुक्त राष्ट्र संघ विभिन्न राष्ट्रो के मध्य उत्पन्न विवादो को निपटारा करता करता है और विभिन्न राष्ट्रो की सुरक्षा भी करता है। संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण विश्व मे शांति एवं सुरक्षा के उद्देश्य किया है।

II. निःशस्त्रीकरण का प्रोत्साहन -

संयुक्त राष्ट्र का एक उद्देश्य निःशस्त्री करण को प्रोत्साहन दिया देना है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने निःशस्त्रीकरण की दिशा में अनेक कदम उठाए है। सन् 1946 में संयुक्त राष्ट्र अणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की है। सन् 1952 में संघ ने निःशस्त्री करण आयोग की स्थापना की है।

प्रश्न क्र.

III. रंगभेदभाव की समाप्ति -

संयुक्त राष्ट्र का एक उद्देश्य है विभिन्न देशों के मध्य विद्यमान रंग भेद भाव को समाप्त करना है। तथा समानता पर आधारित विश्व का निर्माण करना है। संयुक्त राष्ट्र संघ अपने जन्म के समय से ही रंगभेद का विरोध करता रहा है।

IV. साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति -

संयुक्त राष्ट्र का एक उद्देश्य साम्राज्य वाद, उपनिवेशवाद को समाप्त करना रहा है। इसकी स्थापना के कुछ समय बाद इसको कुछ समय बाद सफलता मिली जब एशिया एवं अफ्रीका में अनेक राष्ट्रों को स्वतन्त्रता प्राप्त हुयी।

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 22 (अथवा)

राज्यपुनर्गठन आयोग - राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना सन् 1953 में हुई। इसके अध्यक्ष - न्यायमूर्ति फजल अली थे। इसके दो और सदस्य - 1) हृदयनाथ कुंजरू और 11) के. एम. पणिक्कर।

राज्यपुनर्गठन आयोग की स्थापना उस समय हुई जब देश में भाषायी आधार पर (पुनर्गठन) राज्यों के पुनर्गठन की माँग ज़ोर पकड़ने लगी। आयोग का कार्य भाषायी आधार पर पुनर्गठन में सरकार को सहायता देना है। तथा यह उस मांग पर भी विचार करता था कि यह मांग जायज है और इससे राष्ट्र की एकता में तो कोई खतरा उत्पन्न नहीं होगा। इन सब के उपरान्त ही राज्यपुनर्गठन आयोग राज्यों के पुनर्गठन की मांग को स्वीकार करता था।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

4 पृष्ठीय

-2022

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
राजनीति विज्ञान	1	3	0	हिन्दी

परीक्षा का दिनांक 25 02 2022

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

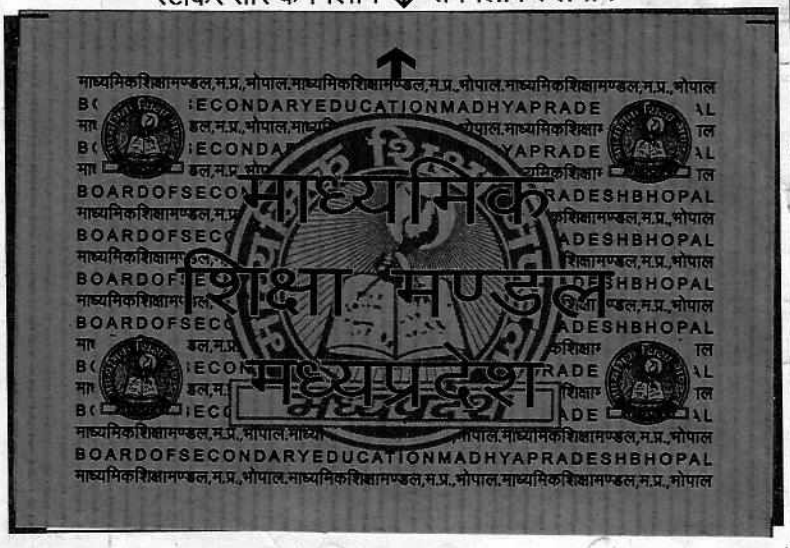

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा
हायर सेकण्ड्री परीक्षा

केन्द्र क्रमांक .322017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
Neelesh

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक

प्रश्न क्र.

राज्य पुनर्गठन की मुख्य सिफारिशे -

I. आयोग ने राज्यो के पुनर्गठन में सर्वोच्च प्राथमिकता राष्ट्रीय एकता को देने की बात कही है।

II. आयोग उन्ही राज्यो के भाषायी आधार पर पुनर्गठन की मांग को स्वीकार करेगा जिसके पुनर्गठन से राष्ट्र हित में विपरीत प्रभाव न पड़े।

III. आयोग राज्यो का पुनर्गठन उनके भाषा, जनसंख्या, आकार को देखकर करेगा।

MPBSE

...के अंकों का योग

पृष्ठ 2 के अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 23

भारत की विदेश नीति के नीति सिद्धान्त -

1. श्री गुटनिरपेक्षता की नीति

भारत के विदेश नीति की महत्वपूर्ण विशेषता रही है। भारत विश्व के किसी भी गुट में शामिल न होकर अपनी स्वतन्त्र विदेश नीति का पालन करता है। भारत द्वारा अपनायी गयी गुटनिरपेक्षता की नीति ने उसे विश्व में सम्मान दिलाया। भारत आजादी के समय से ही गुटनिरपेक्षता का पालन करता है और आज भी कर रहा है।

11. शीत युद्ध से दूरी -

भारत ने अपनी विदेशी नीति की निर्धारण शीत युद्ध से बराबर दूरी बनाकर किया गया है। वह शीत युद्ध के दौरान किसी भी गुट में शामिल नहीं हुआ और स्वयं को शीत

प्रश्न क्र.

सुद्द से दूर रखा।

साम्प्रदायिकता या असमानता की नीति का विरोध -
भारत ने अपनी विदेश नीति का निर्धारण समानता के आधार पर किया है। भारत ने सदैव साम्प्रदायिकता का विरोध किया है भारत असमानता की नीति का भी विरोध करता है।

IV. रंगभेदभावो का विरोध -
भारत की विदेश नीति संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यो से मिलती जुलती है। संयुक्त राष्ट्र की तरह भारत रंगभेदभाव का घोर विरोध करता है।
अफ्रीका में आज भी रंगभेद की नीति चल रही है जिसका भारत और संयुक्त राष्ट्र दोनो विरोध कर रहे है।

MPBSE

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

आयोग की मुख्य सिफारिशे -

i) आयोग ने राज्यो के पुनर्गठन मे सर्वोच्च प्राथमिक राष्ट्रीय एकता को देने की बात कही है।

ii) आयोग उन्ही राज्यो के पुनर्गठन की मांग को स्वीकार करेगा जो कि देश के हित मे हो अर्थात् जिनके पुनर्गठन से राष्ट्र हित पर कोई प्रभाव न पडे।

iii) आयोग राज्यो का पुनर्गठन उनके आकार, जनसंख्या तथा भाषा के आधार पर आधार करेगा।

MPBSE